राजनीतिक तरकस

RNI NO.: DELHIN/2016/70363

देश का सबसे तेज साप्ताहिक

राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार

मूल्य : ₹5

02

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 12 ■ पृष्ठ : 08 ■ नई दिल्ली ■ बुधवार ■ 14 दिसम्बर, 2022 (14 दिसम्बर से 20 दिसम्बर 2022) ■ Website: www.rajneetiktarkas.in

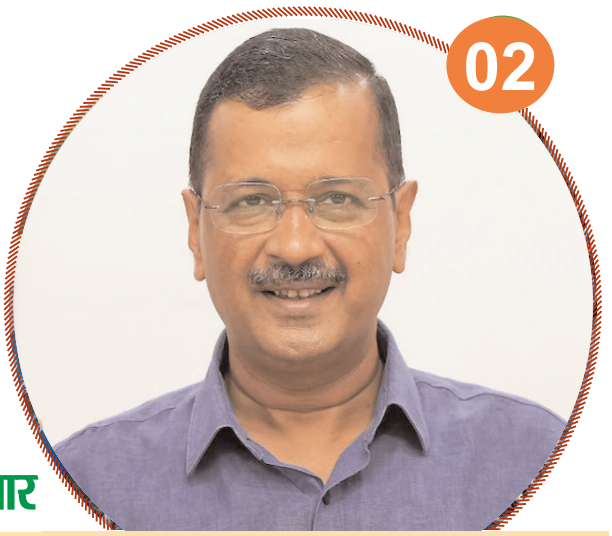

भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर दुनियाभर के मीडिया ने माना, बढ़ी मोदी की लोकप्रियता

गुजरात चुनाव में भाजपा को मिले प्रचंड बहुमत को अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के प्रति लोगों में बढ़ती स्वीकार्यता के तौर पर देखा है। ज्यादातर रिपोर्ट और विश्लेषणों के मुताबिक, मोदी के करिश्माई नेतृत्व की वजह से भाजपा को अभूतपूर्व सफलता मिली है। उनके नेतृत्व के करिश्मे को डिकोड करते हुए माना कि विकास और हिंदुत्ववादी छवि का मिश्रण उनकी करिश्माई छवि की बुनियाद है। बीबीसी ने लिखा, भाजपा की जीत ने भारत में मोदी के प्रभुत्व को मजबूत किया, उन्होंने गुजरात चुनाव को खुद का जनमत संग्रह बना दिया।

ब्रिटिश न्यूज पोर्टल इंडिपेंडेंट ने इसे 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री मोदी के लिए बड़ी राहत बताया। खासतौर पर बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के बीच ऐसे अभूतपूर्व जनसमर्थन को विकासवाद और हिंदुत्व के चमत्कारी नेतृत्व का नतीजा माना है। कतर के राजपरिवार के स्वामित्व वाले अल जजीरा ने लिखा, पीएम मोदी की हिंदू राष्ट्रवादी पार्टी का भारत के पश्चिमी राज्य गुजरात पर नियंत्रण बरकरार।

बढ़ती लोकप्रियता हैरान करने वाली

ब्रिटिश मीडिया हाउस द गार्डियन ने लिखा कि गुजरात लंबे समय से हिंदू राष्ट्रवादी भाजपा का गढ़ रहा है, जिसने 1995 के बाद से वहां लगातार सात चुनाव जीते हैं, लेकिन बृहस्पतिवार के परिणाम भाजपा की सबसे बड़ी चुनावी सफलता रहे। अमेरिकी मीडिया हाउस एबीसी न्यूज ने गुजरात को ऐतिहासिक जीत बताते हुए लिखा, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और धार्मिक ध्रुवीकरण की आलोचना के बावजूद मोदी और उनकी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता हैरान करने वाली है।

विभिन्न उपचार पद्धतियों को आजमाकर आयुर्वेद की ओर लौट रही दुनिया: मोदी

पीएम मोदी ने दुनिया भर में आयुर्वेद को बढ़ावा देने का किया आह्वान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दुनिया भर में आयुर्वेद को बढ़ावा देने का आह्वान किया। श्री मोदी ने यहां चार दिवसीय विश्व आयुर्वेद कांग्रेस के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, मुझे खुशी है कि 30 से अधिक देशों ने आयुर्वेद को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के रूप में स्वीकार किया है। हमें मिलकर इसे और देशों में फैलाना है। हमें आयुर्वेद को मान्यता देनी होगी।

उन्होंने कहा, आयुर्वेद न केवल उपचार बल्कि कल्याण के बारे में भी बात करता है। यह तंदुरूस्ती को बढ़ावा देता है। संसार भी जीवन के इसी पुराने दर्शन की ओर लौट रहा है। मुझे खुशी है कि भारत लंबे समय से इस पर काम कर रहा है। अब दुनिया योग दिवस को स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती के त्योहार के रूप में मना रही है। पहले योग और आयुर्वेद की उपेक्षा की जाती थी लेकिन अब ये मानवता के लिए नई उम्मीद बनकर उभरे हैं। मैंने आयुर्वेद में डेटा-आधारित साक्ष्य के प्रलेखन पर बल दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे पास परिणाम और प्रभाव था लेकिन हम आयुर्वेद में प्रमाण के कारण पिछड़ रहे थे। इसलिए, डेटा आधारित साक्ष्य को दस्तावेज करने की आवश्यकता है। और इसके लिए हमें लंबे समय तक लगातार काम करना होगा। हमें सभी दावों को सत्यापित करना होगा। सरकार आयुष कंसोर्टियम विकसित करने पर काम कर रही है। आयुष उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। बाजार के विस्तार और इससे जुड़े लाभों का लाभ उठाने की आवश्यकता है। मोदी ने कहा, आयुष के क्षेत्र में बहुत सारे नए अवसर उभर रहे हैं। इसमें सभी के लिए अवसर हैं। आयुष में 40,000 एमएसएमई लगे हुए हैं जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हैं। आयुष उद्योग, जो आठ साल पहले 20,000 करोड़ रुपये का था, आज 1,50,000 करोड़ रुपये हो गया है।

जजों की नियुक्ति को लेकर उपराष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट पर साधा निशाना, बोले- बहुत गंभीर मसला है

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (ठखअउ) अधिनियम को रद्द किए जाने को लेकर संसद में कोई चर्चा नहीं हुई और यह एक बहुत गंभीर मसला है।

धनखड़ ने यह भी कहा कि संसद द्वारा पारित एक कानून, जो लोगों की इच्छा को दशार्ता है, उसे सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया और दुनिया को ऐसे किसी भी कदम के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उपराष्ट्रपति ने संविधान के प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि जब कानून से संबंधित कोई बड़ा सवाल शामिल हो तो अदालतें भी इस मुद्दे पर गौर फरमा सकती हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की उपस्थिति में यहां एल एम सिंघवी स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए धनखड़ ने रेखांकित किया कि संविधान की प्रस्तावना में हम भारत के लोग का उल्लेख है और संसद लोगों की इच्छा को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि शक्ति लोगों में, उनके जनादेश और उनके विवेक में बसती है। धनखड़ ने कहा कि 2015-16 में संसद ने एनजेएसी अधिनियम को पारित कर दिया। उन्होंने कहा, हम भारत के लोग-उनकी इच्छा को संवैधानिक प्रावधान में बदल दिया गया। जनता की शक्ति, जो एक वैध मंच के माध्यम से व्यक्त की गई थी, उसे खत्म कर दिया गया। दुनिया ऐसे किसी कदम के बारे में नहीं जानती।

न्याय के पर्यावरणीय आयाम पर विचार करने की जरूरत : राष्ट्रपति मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले कुछ सालों में दुनियाभर में आई प्राकृतिक आपदाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। उन्होंने आगाह किया कि गरीब देशों के लोगों को पर्यावरण के क्षरण की भारी कीमत चुकानी होगी। ऐसे में हमें अब न्याय के पर्यावरणीय आयाम पर विचार करना चाहिए।

राष्ट्रपति ने शनिवार को विज्ञान भवन में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा आयोजित 74वें मानवाधिकार दिवस समारोह में भाग लिया और उसे संबोधित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि यह संपूर्ण मानव जाति के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि 1948 में इसी दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव अधिकारों की सार्वभौमिक

घोषणा (एचडीएचआर) को अपनाया था। उन्होंने कहा कि यूडीएचआर के पाठ का 500 से अधिक भाषाओं में अनुवाद किया गया है, जो इसे इतिहास में सबसे अधिक अनुवादित दस्तावेज बनाता है। उन्होंने कहा कि अभी भी, जब हम दुनिया के कई हिस्सों में हो रहे दुखद घटनाक्रमों पर विचार करते हैं, तो हमें आश्चर्य होता है कि क्या घोषणा को उन भाषाओं में पढ़ा गया है। तथ्य यह है कि मानवाधिकार दुनिया भर में प्रगति पर काम कर रहे हैं।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01 , अंक : 12, नई दिल्ली, बुधवार, 14 दिसम्बर , 2022

3 टिप्स पुस्तक का विमोचन

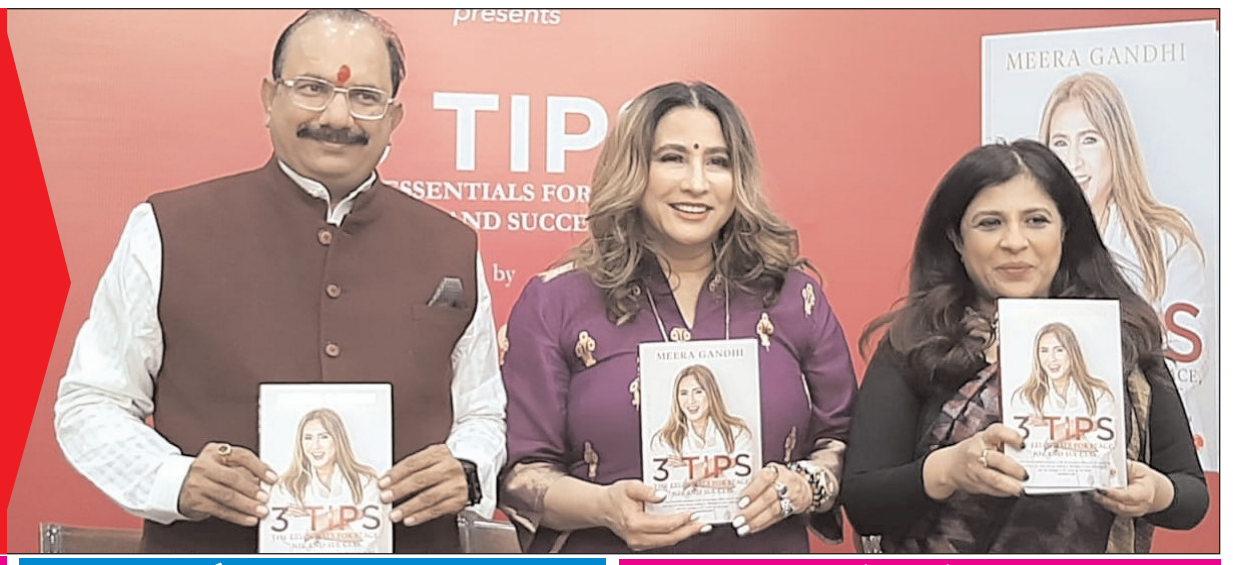

शांति में ही जीवन का आनंद-सुरेश मिश्रा

पीस और जॉय ही आखिरी चाहत-मीरा गांधी

3 टिप्स से करें अपना जीवन आसान-शाजिया इल्मी

जितेंद्र तिवारी
Editor@rajneetiktarkas.in

कांस्टीट्यूशन क्लब में सुप्रसिद्व लेखिका मीरा गांधी की पुस्तक 3 टिप्स का विमोचन वरिष्ठ समाजसेवी व राजनेता पंडित सुरेश मिश्रा व भारतीय जनता पार्टी की प्रखर प्रवक्ता शाजिया इल्मी के हाथों किया गया। इस अवसर पर गणमान्य लोगों के साथ बड़ी संख्या में मीडिया कर्मी मौजूद थे। शाजिया ने मंच को संभालते हुए मीरा गांधी की पुस्तक के बारे में लोगों को विस्तार से बताया। दरअसल 3 टिप्स पुस्तक को मीरा ने अपने जीवन के अनुभवों के आधार पर लिखा है।

इस पुस्तक के कवर पर ही सदगुरू ने इसके अंदर के सार को वर्णन करते हुए लिखा है कि जीवन का सच्चा सुख उन क्षणों मे निहित होता है जब हम अपने आनन्द के अवसरों को व्यक्त कर रहे होते हैं न कि जब हम इसकी लालसा करते हैं। उन्होंने अपना आशीर्वाद देते हुए कहा है कि मीरा की इस किताब से दुनिया को यह खूबसूरत मेसेज पहुंचेगा। इसकी रचना जो एक टेलीविजन के शो से शुरू हुआ था वह धीरे धीरे सोशल मीडिया का एक मूवमेंट बन गया और एक किताब के रूप आज सबके सामने प्रस्तुत है। अपनी किताब 3 टिप्स के जरिए मीरा गांधी ने अपने जीवन के अनुभव को तीन बराबर भागों में बांटा है जिसे कोई भी अपना सकता है क्योंकि यह पूर्ण रूप से व्यावहारिक है। यह आध्यात्म और आधुनिकता का एक मिलाजुला संगम है जहां कोई भी अपनी मन की बात खुले हृदय से सुन सकता है, महसूस कर सकता है।

साहित्य जगत में यह किताब न केवल एक प्रेरणा का स्त्रोत है बल्कि जीवन के सभी रंगों को समेटता हुआ हर उम्र, हर वर्ग के लोगों में संपूर्ण का उत्साह संचार करता है। इतना ही नहीं इस किताब को पढ़कर कोई भी आत्म ज्ञान ले सकता है और यही इसकी अनूठी विशेषता है। जब एक प्रोडयूसर ने पुस्तक की लेखिका मीरा गांधी से पूछा गया कि प्रेम पर कोई तीन टिप्स बताये और वह शांत रही तो वहां उपस्थित जनता हंस पड़ी। लेकिन इसका फायदा इन्हें बहुत हुआ। इनके सोशल मीडिया में लाखों लाख फॉलोवर मिल गए। शाजिया इल्मी के बारे में बोलते हुए मीरा ने कहा कि वह भी उनकी बहुत बडी प्रशंसक है। जबकि शाजिया ने उनकी प्रेरणा के बारे में पूछा तो मीरा ने अपने पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे बताया कि वह बहुत अच्छा था लेकिन जब वह न्यूयॉर्क गई तो वहां तनाव झेलना उनके लिए मश्किल था।

हालांकि मीरा बताती हैं कि जब वह आयरलैंड गई तो किसी को जबाब दिया कि उन्हें बस पीस और जॉय चाहिए और इस तरह योग-ध्यान जिसकी परिणति आज यह किताब है। मंच पर आसीन पंडित सुरेश मिश्रा ने मीरा गांधी को अपना पारिवारिक मित्र बताते हुए कहा कि किताब मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर आधारित है। वह है शांति, आनंद और सफलता। उन्होंने कहा कि धन और ऐश्वर्य की कहीं कोई सीमा नहीं होती। इसकी जितनी लालसा करो वह कम है इसलिए शांति और संतोष में ही जीवन का आनंद है।

केजरीवाल की 'आप' बनी राष्ट्रीय पार्टी

आम आदमी पार्टी आज राष्ट्रीय पार्टी बन गई है. इस बात की जानकारी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दी है। उन्होंने कहा कि गुजरात के लोगों ने आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी बना दिया है। जितने वोट गुजरात में अअढ को मिले हैं उसके हिसाब से केजरीवाल की पार्टी अब राष्ट्रीय पार्टी बन गई है। महज 10 सालों में आम आदमी पार्टी देश की चंद राष्ट्रीय पार्टियों में शामिल हो गई है।

केजरीवाल ने गुजरात के लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'मैं जितनी बार गुजरात गया, मुझे बहुत प्यार मिला। मैं आप सभी का आभारी रहूंगा। गुजरात बीजेपी का गढ़ माना जाता है। हम उस किले को भेदने में सफल रहे। गुजरात में हमें 13 फीसदी वोट मिले हैं।'

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल

केजरीवाल ने कहा, 'लाखों की संख्या में गुजरात के लोगों ने हमें वोट किया है। आपके समर्थन से इस बार किला भेदने में सफल रहे हैं और अगली बार किला जीतने में सफलता प्राप्त करेंगे। हमने पूरा कैंपेन सकारात्मक तरीके से चलाया। किसी को गाली नहीं दी। सिर्फ काम पर बात की। यही चीज हमे दूसरी पार्टियों से अगल करती है। अभी तक बाकी की पार्टियां धर्म, जाति की राजनीति करती रही हैं। यह पहली बार है जब कोई पार्टी काम की बात कर रही है।

देश में कितनी राष्ट्रीय पार्टियां?

आम आदमी पार्टी देश की 8वीं राष्ट्रीय पार्टी बन गई है। इससे पहले देश में 7 राष्ट्रीय पार्टियां थीं, जिसमें कांग्रेस, बीजेपी, बीएसपी, सीपीआई, सीपीएम, एनसीपी और टीएमसी का नाम शामिल था। राष्ट्रीय पार्टियों के अलावा देश में राज्य स्तर की पार्टियां और क्षेत्रीय स्तर की पार्टियां होती हैं। सभी के पैमाने भी अलग-अलग होते हैं।

कैसे मिलता है राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा?

किसी भी राजनीतिक पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी बनने के लिए कई मानक पूरे करने होते हैं। हालांकि, इसके लिए दो तरीके हैं जिससे किसी भी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल जाता है। एक ये कि अगर किसी पार्टी की लोकसभा में 4 सदस्य हों और लोकसभा चुनाव में उसे 6 परसेंट वोट मिला हो तो वो राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त कर लेती है। वहीं, दूसरा तरीका ये है कि 4 राज्यों के विधानसभा चुनावों में 6 फीसदी से ज्यादा वोट शेयर मिला हो।

आम आदमी पार्टी की कहां कितने वोट?

राष्ट्रीय पार्टी बन चुकी अअढ की दिल्ली, पंजाब और दिल्ली एमसीडी में सरकार है। वहीं, गोवा में भी आम आदमी पार्टी के दो विधायक हैं। गोवा के विधानसभा चुनावों में अअढ को दो सीटों पर जीत के साथ-साथ 6.77 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। अब गुजरात में भी आम आदमी पार्टी को करीब 13 फीसदी वोट मिल चुके हैं। इस तरह चार राज्यों में उसके 6 फीसदी से ज्यादा हो गए हैं और वो 8वीं राष्ट्रीय पार्टी बन गई है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक जितेंद्र तिवारी द्वारा इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18/19/20, सी ब्लॉक, सेक्टर 59, नोएडा, उ.प्र.-201301 से मुद्रित तथा ई632/7 सी संगम विहार साउथ दिल्ली -110080 से प्रकाशित। प्रकाशित लेखों से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा। प्रधान संपादक : **जितेंद्र तिवारी** प्रबंध संपादक :**राजेश तिवारी**
RNI NO.: DELHIN/2016/70363 Email:tarkasnews@gmail.com Mob:9990170069 Website: www.rajneetiktarkas.in

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01 , अंक : 12, नई दिल्ली, बुधवार, 14 दिसम्बर , 2022
3

जैन तीर्थस्थलों को अहिंसक व शाकाहार क्षेत्र घोषित किया जाय-जैन मुनि

दिल्ली ब्यूरो
rajneetiktarkas.in

झारखंड के गिरिडीह जिले के अंतर्गत पारसनाथ सदियों से जैन समुदाय का तीर्थस्थल रहा है। इतना ही नहीं अपने प्राकृतिक व नैसर्गिक सौंदर्य के कारण पारसनाथ न केवल जैनियों के लिए धार्मिक महत्व रखता है बल्कि यह विश्व प्रसिद्व तीर्थस्थलों में चिन्हित है और आस्था के इस महासंगम की सुरक्षा और पवित्रता पर बढ़ते खतरे को देखते हुए जैन धर्मावलंबियों के आहवान पर नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में राष्ट संत महायोगी श्रमण श्री 108 विहर्ष सागर जी गुरूदेव ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए पारसनाथ जैसे आस्था के पवित्र स्थल पर उत्पन्न हुए अराजक स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि इस जैनों का अनादि निधन पवित्र क्षेत्र की संरक्षण व सुरक्षा के लिए आज पूरा समाज एकजुट है। गुरूजी महाराज का

श्री सम्मेद शिखरजी को पवित्र जैन तीर्थ क्षेत्र घोषित करने का सघन अभियान

यह भी कहना था कि श्री सम्मेद शिखरजी को अहिंसक व शाकाहारी पवित्र धार्मिक जैन तीर्थ क्षेत्र घोषित किया जाय। अपनी आपत्ति जताते हुए कहा कि पारसनाथ को पर्यटन या अभ्यारण्य क्षेत्र नहीं बनाया जाय क्योंकि यह जैन आस्था का महासंगम है और इस बात ज्ञापन वह राज्य सरकार को दे चुके हैं। उनका कहना था कि यहां का कण कण इतना पवित्र है जिसकी रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है। इसे नरक बनने से रोकना पडेगा। महाराज ने कुछ दृष्टांत देते हुए कहा कि लगातार इस क्षेत्र में अप्रिय घटनायें हुई हैं जिसे मीडिया के माध्यम से लोगों ने देखा है। यह इस महान पवित्र स्थल की पवित्रता पर एक प्रश्न चिन्ह है। हजारों लोग यहां मौज मस्ती के लिए यहां घूमने आते हैं। वे जूते चप्पल पहनकर अपना फोटो शूट करते हैं जिससे हमारी भावना आहत होती है।

मीडिया के जरिए यह भी बखूबी देखा गया है कि पारसनाथ की तलहटी में मांस मदिरा का भी सेवन किया जाता है। इसे भी सार्वजनिक रूप से खरीदी बेची जाती है। उन्होंने यह आरोप लगाया कि जब झारखंड बिहार का हिस्सा था तभी बिहार सरकार ने 1983 में इस पवित्र क्षेत्र को पर्यटन स्थल का दर्जा दे दिया। सरकारी गजट में जिस क्षेत्र को शाकाहार मे तब्दील कर देना चाहिए था उसे ही इको सेंसेटिव जोन की परिधि में ला दिया जबकि 2016 में इसकी आधिकारिक सूचना राज्य सरकार व केंद्र सरकार दी गई थी ताकि इसे भी गुजरात के पालीताणा की तरह पूर्ण शाकाहार क्षेत्र घोषित किया जाय। जैन धर्म के प्रवर्तकों ने मजबूती से अपनी मांग उठाते हुए इस प्रेस वार्ता में कहा कि हम अहिंसा के पुजारी हैं और हम जीवन में भी इसकी कठोरता से पालन करते हैं। इसलिए प्रशासन कोई उचित व ठोस कदम उठाए कि कोई अज्ञानत वश भी मंदिर की कोई वस्तुओं से छेड छाड न कर पाए और मांस मदिरा पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाय। जैन समाज ने यह भी मांग की कि श्री सम्मेद शिखरजी की 48 किलोमीटर की परिक्रमा परिधि तथा तलहटी पर मधु निषेध व धार्मिक जैन तीर्थ क्षेत्र घोषित किया जाय। श्री विहर्ष सागरजी गुरूदेव ने पत्रकारों को बताया कि 22 अक्टूबर 2018 को झारखंड सरकार के अपर सचिव के कार्यालय को इस संबंध में एक ज्ञापन भी सौंपा था। इसे वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के रूप में हमारे समाज को कतई स्वीकार नहीं है। जैन समाज इस बारे में देशभर में हस्ताक्षर अभियान चला रहा है। 18 दिसंबर 2022 को राजधानी दिल्ली से राष्टमुनि की अगुवाई में सभी तीर्थों की संरक्षण व सुरक्षा पर एक भव्य विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा जिसमें केंद्रीय मंत्रियों के साथ साथ झारखंड सरकार के मंत्रियों के शामिल होने की संभावना है।

अल्पसंख्यक छात्रों को अब नहीं मिलेगी 'मौलाना आजाद स्कॉलरशिप', केंद्र सरकार ने किया बंद

केंद्र सरकार ने अल्पसंख्यक छात्रों के लिए संचालित की जाने वाली 'मौलाना आजाद फैलोशिप' को बंद कर दिया है। यह स्कॉलरशिप अल्संख्यक वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा (शोध) के लिए दी जाती थी। स्कॉलरशिप बंद करने के संबंध में जानकारी अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस सदस्य टी एन प्रतापन के सवाल के जवाब में लोकसभा में दिया। आपको बता दें कि बीते दिनों केंद्र सरकार ने अल्पसंख्यक वर्ग को प्री-मैट्रिक स्तर पर दी जाने वाली स्कॉलरशिप को भी बंद कर दिया था।

इसलिए बंद की गई स्कॉलरशिप

लोकसभा में कांग्रेस सदस्य टी एन प्रतापन के सवाल जवाब देती हुई मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि टअठऋयोजना सरकार की तरफ से लागू की जा रही उच्च शिक्षा के लिए अन्य फेलोशिप योजनाओं के साथ ओवरलैप करती है। ऐसे में अल्पसंख्यक छात्र पहले से ही

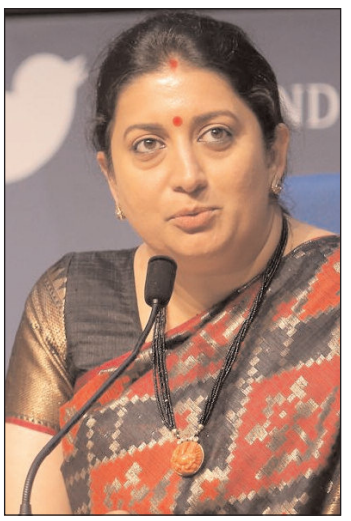

ऐसी योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। इसलिए सरकार ने 2022-23 से टअठऋ योजना को बंद करने का फैसला किया है।

2014 से 2022 के दौरान इतने छात्रों को मिला था लाभ

लोकसभा में सवाल का जवाब देते हुए ईरानी ने कहा कि यूजीसी के आंकडों के मुताबिक 2014-15 और 2021-22 के बीच इस योजना के लिए 738.।85 करोड़ रुपए जारी किए गए थे। इस दौरान कुल 6,722 छात्रों को योजना का लाभ मिला था। हालांकि, प्रतापन स्मृति ईरानी के जवाब से संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने केंद्र सरकार को मुस्लिम विरोधी बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि इस योजना के बंद होने से अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों का शोध कार्य प्रभावित होगा।

सच्चर कमेटी की सिफारिशों के बाद शुरू हुई थी योजना

मौलाना आजाद स्कॉलरशिप योजना सच्चर कमेटी की सिफारिशों के बाद 2005 में शुरू की गई थी। उस वक्त केंद्र में मनमोहन की सरकार थी। आपको बात दें कि सच्चर कमेटी मुस्लिमों के समाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर को जानने के लिए गठित की गई थी।

घर-घर राशन की दिल्ली सरकार की योजना को अदालत ने नामंजूर किया था : केंद्र

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि घर-घर राशन पहुंचाने की दिल्ली सरकार की योजना को अदालत ने नामंजूर किया था। गोयल ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि घर-घर राशन पहुंचाने की योजना को केंद्र ने नहीं बल्कि अदालत ने नामंजूर किया था।

उन्होंने कहा कि देश में कानून है और उसी के अनुसार देश चलता है और कानून के जरिए ही गड़बड़ी पर रोक लगाई जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार इस योजना के जरिए गड़बड़ी करना चाहती है और वह गड़बड़ी को संस्थागत रूप देना चाहती है।

इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) सदस्य संजय सिंह ने सवाल किया था कि अरविंद केजरीवाल सरकार की इस योजना को क्यों नहीं मंजूरी देना चाहती है, जो गरीबों को लाभ पहुंचाने वाली है।

शरजील की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट की टिप्पणी का कोई असर नहीं : न्यायालय

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले में जेएनयू के छात्र शरजील इमाम के संबंध में की गई टिप्पणियों से अदालत के समक्ष लंबित उसके मामले पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। उच्च न्यायालय ने उत्तर पूर्वी दिल्ली में फरवरी 2020 के दंगों के पीछे कथित साजिश के एक मामले में सह-आरोपी उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

उच्च न्यायालय के 18 अक्टूबर के फैसले में उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों के संबंध में इमाम की याचिका पर सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति एस.के. कौल और न्यायमूर्ति ए. एस. ओका की पीठ ने कहा कि फैसले में एक पैराग्राफ में स्पष्ट किया गया है कि यहां ऊपर कहा गया कुछ भी राय की अभिव्यक्ति के समान नहीं होगा, जिसका मामले के गुण-दोष पर कोई असर पड़े।

न्यायमूर्ति कौल ने कहा, ऐसा तब होता है जब लोग जमानत आवेदनों पर बहस करते हैं, जैसे कि यह गुण-दोष के आधार पर अपील है। उन्होंने कहा कि जमानत याचिकाओं पर 10 मिनट से ज्यादा बहस नहीं की जानी चाहिए। उच्च न्यायालय ने जेएनयू के पूर्व छात्र खालिद की जमानत याचिका खारिज करते हुए अपने फैसले में कहा था कि वह अन्य सह-आरोपियों के साथ लगातार संपर्क में था और उसके खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया सही थे।

उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था, ..। आरोप-पत्र को ध्यान से देखने और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि अपीलकर्ता (खालिद) शरजील इमाम सहित अन्य सह-अभियुक्तों के लगातार संपर्क में था, इस स्तर पर यह राय बनाना मुश्किल है कि यह मानने के लिए उचित आधार नहीं हैं कि याचिकाकर्ता के खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया साबित नहीं हुआ है।

इमाम की तरफ से पेश हुए वकील ने न्यायालय से कहा कि वे शीर्ष अदालत का रुख करने के लिये मजबूर हैं क्योंकि उच्च न्यायालय द्वारा मामले में एक सह-आरोपी को जमानत देने से इनकार करने के आदेश में की गई टिप्पणियों के कारण याचिकाकर्ता के प्रति गंभीर पूर्वाग्रह पैदा होगा। पीठ ने कहा कि उसने उच्च न्यायालय की खंडपीठ के फैसले के उपरोक्त पैराग्राफ को देखा है। न्यायालय ने कहा, ह्लहम स्पष्ट करते हैं कि याचिकाकर्ता (इमाम) के संबंध में की गई किसी भी टिप्पणी से याचिकाकर्ता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा..।।

रामपुर से बीजेपी उम्मीदवार आकाश सक्सेना जीते

रामपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव का नतीजा आ गया है। आमज खान के गढ़ कहे जाने वाले रामपुर में बीजेपी ने समाजवादी पार्टी को 33 हजार से अधिक वोटों से हरा दिया है। बीजेपी ने आकाश सक्सेना को अपना उम्मीदवार बनाया था तो वहीं सपा ने आसिम राजा को टिकट दिया था।

बीजेपी उम्मीदवार आकाश सक्सेना ने जीत दर्ज करने के बाद कहा कि हिंदू-मुस्लिम, दोनों ने मुझे वोट दिया है। समाजवादी पार्टी बेबुनियाद आरोप लगा रही है। हम रोजगार पैदा करने के लिए रामपुर के उद्योगों की प्रगति के लिए काम करेंगे।

8 दिंसबर को हुई वोटों की गिनती के दौरान हर राउंड के बाद तस्वीर बदलने लगी थी। जहां शुरूआत में पिछड़ने के बाद आसिम रजा ने शानदार वापसी की थी तो वहीं धीरे-धीरे बीजेपी कैंडिडेट ने भी शानदार वापसी करते हुए बढ़त बना ली थी।

बता दें कि आजम खान की यह परंपरागत सीट रही है और इसके नतीजे पर हर किसी की नजर थी। आजम खान की विधानसभा सदस्यता रद्द होने पर यहां उपचुनाव हुआ था। ऐसे में आजम की प्रतिष्ठा से इस सीट से जुड़ी थी। लेकिन यहां बीजेपी ने बड़ी जीत दर्ज कर समाजवादी पार्टी के साथ-साथ आजम खान को भी बड़ा झटका दिया है।

पहले राउंड का अपडेटः

आजम खान के रामपुर में सपा की हार, 33 हजार वोटों से जीते बीजेपी उम्मीदवार आकाश सक्सेना

आसिम रजा (समाजवादी पार्टी)- 1,277 वोट

आकाश सक्सेना (बीजेपी)- 1,148 वोट

विधानसभा सीट पर 5 दिसंबर को हुई वोटिंग में 33 फीसदी मतदान हुआ था। आजम खान की विधानसभा सदस्यता रद्द होने के बाद उपचुनाव हुआ था। यह सीट आजम खान के लिए प्रतिष्ठा की सीट बन गई थी। समाजवादी पार्टी ने इस चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाया था। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव रामगोपाल यादव ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर रामपुर विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव को निरस्त करने की मांग की थी।

गौरतलब है कि रामपुर में इस बार बीजेपी बेहद कम वोटिंग होने की वजह से गदगद दिखाई दे रही थी, जबकि समाजवादी पार्टी के खेमे में जबरदस्त मायूसी और बेचैनी थी। रामपुर वह सीट है जहां 55 से 60 फीसदी मुसलमान वोटर हैं और इस बार वोट प्रतिशत इतिहास में सबसे कम हुआ। करीब 33-34 फीसदी ही वोटिंग रामपुर सीट पर हुई, जिससे बीजेपी को लगता है कि मुसलमानों की नाराजगी आजम खान के खिलाफ उभर कर आई है।

विशाखापत्तनम से दिल्ली में सप्लाई ही रही थी ड्रग्स

क्राइम ब्रांच ने 4 ड्रग सप्लायरों को दबोचा

क्राइम ब्रांच की टीम ने नशे के कारोबार में लिप्त एक महिला सहित 4 इंटर स्टेट ड्रग सप्लायरों को गिरफ्तार करने में कामयाबी पाई है। इनके कब्जे से कुल 95 किलोग्राम गंजा बरामद किया गया है। इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नूर मोहम्मद, उज्ज्वल कुमार, लक्ष्मी सिंह और आजाद उर्फ राकल के रूप में हुई है। ये बिहार के सारण, आसाम के करबि आंगलोंग और दिल्ली के शहादरा जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने इन्हें उस वक़्त दबोचा जब ये विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश से गांजे की खेप लेकर डिलीवरी करने दिल्ली पहुंचे थे।

स्पेशल सीपी रविन्द्र सिंह यादव के अनुसार, क्राइम ब्रांच ईस्टर्न रेंज 2 की टीम को ड्रग सप्लायर और पेडलरों की निगरानी कर उनकी पकड़ का काम सौंपा गया था। इसके लिए डीसीपी सतीश कुमार और एसीपी राज कुमार साहा की देखरेख में इंस्पेक्टर आशीष दाहिमा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम सूत्रों को सक्रिय कर नशे के कारोबारियों के बारे में जानकारियों को विकसित करने में लगी थी। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच पुलिस को सूत्रों से कुछ ड्रग सप्लायरों के आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से गांजे की खेप लेकर सप्लाई के लिए दिल्ली आने की सूचना मिली थी, जिस पर प्रतिक्रिया करते हुए पुलिस ने दिलशाद गार्डन के जे एंड के पॉकेट के पास ट्रैप लगा कर अप्सरा बॉर्डर की तरफ से सीमापुरी की तरफ आ रहे आंध्र प्रदेश के नंबर वाली इनोवा गाड़ी को रोका। जिसमें एक महिला सहित कुल 3 लोग सवार थे। पूछताछ में ड्राइवर की पहचान नूर मोहम्मद, जबकि अन्य महिला-पुरुष सवारों की लक्ष्मी सिंह और उज्ज्वल कुमार के रूप में हुई। गाड़ी की तलाशी में 5 प्लास्टिक के कट्टे में कुल 72.2 किलोग्राम गंजा बरामद हुआ। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वो विशाखापत्तनम से गांजे को खरीद कर लाये थे, जिसे आगे सीमापुरी के आजाद उर्फ राकल को डिलीवर करने वाले थे। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने आजाद उर्फ राकल को भी उसके घर से दबोच लिया और उसके पास से 22.795 ग्राम गंजा भी बरामद किया गया। आरोपियों ने बताया कि वो बल्क में गांजे को खरीदते थे और फिर आजाद को दे देते थे, जिसे आगे वो छोटे-छोटे पैकेटों में कर के बेचता था। विशाखापत्तनम से गांजे की खेप को पकड़े जाने से बचने के लिए वो महिला आरोपी ड्राइवर के साथ वाली सीट पर बैठती थी, जिससे पुलिस को उनके फैमिली मेंबर होने का भ्रम हो और उनकी जांच ना की जाए।

मैनपुरी में डिंपल यादव 288461 वोटों से जीतीं

मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र की पहली महिला सांसद बनीं डिंपल यादव ने पांचों विधानसभा क्षेत्र में जीत का परचम फहराया। मैनपुरी जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों की बात करें तो करहल से जीत का अंतर सर्वाधिक रहा। नेताजी (मुलायम सिंह यादव) की बहू को करहल में सबसे अधिक दुलार मिला। जसवंतनगर के मतदाताओं ने सपा की झोली वोटों से भर दी। यहां वोटों की ऐसी बारिश कि दूसरे प्रत्याशी आसपास भी नहीं ठहर सके। डिंपल यादव ने अकेले जसवंतनगर क्षेत्र से एक लाख से अधिक मतों की बढ़त ले ली थी। इसी के साथ पिछले चुनाव का रिकॉर्ड भी टूट गया। पिछले चुनाव में इस सीट से सपा को 67 हजार मतों की बढ़त मिली थी। बता दें कि इटावा का जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र में आता है। यहां से शिवपाल सिंह यादव विधायक हैं।

मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र में जिले के चार करहल, किशनी, भोगांव और सदर विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। सपा प्रत्याशी को करहल विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक वोट मिले। यहां से उनके पति एवं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव विधायक हैं।

डिंपल यादव को करहल से 75 हजार 462 वोटों की बढ़त मिली। करहल में डिंपल यादव को एक लाख 40 हजार 578 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य को 65116 वोट ही मिले। हर चुनाव में मैनपुरी जिले में समाजवादी पार्टी को करहल से बंपर बढ़त मिलती रही है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी मुलायम सिंह यादव को करहल विधानसभा क्षेत्र में एक लाख 41 हजार 68 वोट मिले थे। जबकि भाजपा प्रत्याशी शत्रुघ्न सिंह को मात्र 39352 वोटों से ही संतोष करना पड़ा था। सपा प्रत्याशी को यहां से एक लाख से अधिक वोटों से बढ़त मिली थी।

करहल सपा का मजबूत गढ़ रहा है। करहल के जैन इंटर कॉलेज में नेताजी ने शिक्षक के रूप में कार्य किया। राजनीति में कद बढ़ा, लेकिन नेताजी करहल को नहीं भूले। नेताजी की लोकप्रियता के कारण ही करहल सपा का मजबूत गढ़ बन गया। 2022 के विधानसभा चुनाव में करहल से जीत दर्ज करके ही सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव विधानसभा पहुंचे। अब एक बार फिर करहल के मतदाताओं ने सपा प्रत्याशी डिंपल यादव को दमदार बढ़त दी।

मैनपुरी सदर विधानसभा सीट भाजपा के लिए काफी अहम थी। यहां से विधायक जयवीर सिंह योगी कैबिनेट में पर्यटन मंत्री हैं। ऐसे में उनकी प्रतिष्ठा भी दांव पर थी। हर बार शहर से तो भाजपा को अच्छा समर्थन मिलता रहा है, लेकिन ग्रामीण अंचल में साइकिल ही दौड़ती थी। लेकिन उपचुनाव के परिणामों ने इसे बदल दिया। जब मतगणना शुरू हुई तो प्रथम राउंड में ही सपा प्रत्याशी डिंपल यादव 1526 वोटों से आगे हो गईं। मैनपुरी सदर विधानसभा क्षेत्र से डिंपल यादव को इस बार 35982 वोट से लीड मिली, जिसने जीत के अंतर को और बढ़ा दिया।

लोधी और शाक्य बहुल भोगांव विधानसभा सीट हमेशा ही भाजपा के लिए लोकसभा चुनाव में फायदेमंद रही है। इस क्षेत्र से खुद मुलायम सिंह यादव को भी कई बार भाजपा प्रत्याशी की अपेक्षा कम वोट हासिल हुए। लेकिन इस बार यहां की जनता का मन बदल गया। भाजपा से शाक्य प्रत्याशी होने के बाद भी साइकिल पर मतदाताओं ने खूब प्यार लुटाया। मतदाताओं ने यहां से भी डिंपल यादव को जीत दिलाई। भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह से डिंपल यादव को 25368 वोट अधिक मिले।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष वर्ष : 01 , अंक : 12, नई दिल्ली, बुधवार, 14 दिसम्बर , 2022

सुखविंदर सुक्खू बने हिमाचल के नए मुख्यमंत्री, मुकेश अग्निहोत्री उप मुख्यमंत्री

हिमाचल प्रदेश में नादौन विधानसभा क्षेत्र से चौथी बार विधायक निर्वाचित सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के 15वें मुख्यमंत्री तथा हरोली से विधायक पांचवीं बार विधायक बने मुकेश अग्निहोत्री ने उप मुख्यमंत्री पद की रविवार को शपथ ग्रहण की। राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने यहां रिज मैदान पर आयोजित एक भव्य समारोह में श्री सुक्खू और श्री अग्निहोत्री को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। श्री सुक्खू और श्री अग्निहोत्री ने हिंदी में शपथ ग्रहण की।

इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खड़गे, पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, प्रदेश मामलों के प्रभारी राजीव शुक्ला, पर्यवेक्षक और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पर्यवेक्षक एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद एवं प्रदेश पार्टी अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, पंजाब से प्रताप सिंह बाजवा सरीखे वरिष्ठ नेता तथा पार्टी विधायक उपस्थित थे।

इससे पहले विधानसभा परिसर में गत शनिवार को हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में हाईकमान के फैसले के अनुसार मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री पदों के लिये क्रमशः श्री सुक्खू और श्री अग्निहोत्री के नामों पर मुहर लगाई गई थी। सर्वश्री शुक्ला, बघेल और हुड्डा ने इसकी घोषणा की। राज्य में पहली बार उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। दोनों ही हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। श्री सुक्खू जहां हमीरपुर जिले से वहीं श्री अग्निहोत्री ऊना जिले से हैं। श्री सुक्खू राजपूत और श्री अग्निहोत्री ब्राह्मण समुदाय से हैं। श्री सुक्खू विधानसभा चुनाव में पार्टी की चुनाव प्रचार समिति के अध्यक्ष भी थे। अड़सठ सदस्यीय विधानसभा के अनुसार राज्य मंत्रिमंडल का आकार मुख्यमंत्री समेत 12 मंत्रियों तक ही हो सकता है।

प्रधानमंत्री ने सुखविंदर सिंह सुक्खू को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर सुखविंदर सिंह सुक्खू को बधाई दी और प्रदेश के विकास के लिए केंद्र की ओर से सहयोग का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक ट्वीट में कहा, श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जी को हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बहुत-बहुत बधाई। मैं हिमाचल प्रदेश के विकास के लिए केंद्र की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन देता हूं। हिमाचल प्रदेश के नए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। 58 वर्षीय सुक्खू हिमाचल के 15वें मुख्यमंत्री बने हैं। हिमाचल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सुक्खू को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

पत्रकार से उप मुख्यमंत्री पद तक पहुंचे अग्निहोत्री

हिमाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बने मुकेश अग्निहोत्री पत्रकारिता से राजनीति का सफर तय करते हुये इस पद तक पहुंचे हैं। पंजाब की सीमा से लगते ऊना जिले की हरोली तहसील के गोंदपुर जयचंद गांव के निवासी श्री अग्निहोत्री पांचवीं बार विधायक बने हैं। उन्होंने राजनीति में प्रवेश करने के बाद पंचायत प्रधान, पंच और जिला परिषद का कोई चुनाव नहीं लड़ा, बल्कि सीधे विधायक के रूप में विधानसभा में कदम रखा था। राज्य के राजनीतिक इतिहास में वह पहले उपमुख्यमंत्री बने हैं। श्री अग्निहोत्री का जन्म 09 अक्तूबर 1962 में पंजाब के संगरूर में जिला जनसम्पर्क अधिकारी रहे ओंकार चंद शर्मा के घर में हुआ था। श्री शर्मा ने संतोखगढ़ से कांग्रेस टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गये थे। उनके बाद कांग्रेस ने अग्निहोत्री को संतोषगढ़ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतारा था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा ऊना जिले में ही हुई। उनके बड़े भाई डॉ. राकेश अग्निहोत्री चिकित्सक हैं। उनकी तीन बहनें हैं। विदेश में पढ़ाई कर चुकी उनकी पुत्री आस्था अग्निहोत्री पीएचडी कर रही हैं। उनकी पत्नी सिम्मी अग्निहोत्री हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग में प्रोफेसर हैं। अग्निहोत्री का ससुराल मंडी शहर में है। गणित विषय में एमएससी की डिग्री हासिल करने के बाद मुकेश अग्निहोत्री ने जनसम्पर्क विषय में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया और पत्रकार बन गए। वह शिमला और दिल्ली में पत्रकार के रूप में करीब दो दशक अपनी सेवाएं दे चुके हैं। दिल्ली में पत्रकारिता के दौरान कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से नजदीकियां बढ़ीं। यहीं से उन्होंने पत्रकारिता से राजनीति में कदम रखा। वर्ष 1993 में वीरभद्र सिंह के मुख्यमंत्री बनने पर उनके पिता को हिमाचल प्रदेश एग्रो पैकजिंग निगम का उपाध्यक्ष बनाया गया था। वर्ष 1998 के विधानसभा चुनाव में श्री शर्मा को कांग्रेस पार्टी ने संतोषगढ़ क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया, लेकिन उन्हें भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी पंडित जयकिशन शर्मा से हार का सामना करना पड़ा।

पारंपरिक परिधान में पहुंचे

समारोह को देखने के लिए पारंपरिक परिधानों में लोग बड़ी संख्या में रिज पर एकत्रित हुए। उन्होंने लोक संगीत की धुन पर नृत्य किया और सुक्खू भाई जिंदाबाद के नारे लगाए। कुछ उत्साही समर्थकों ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के लिए अपने संभावित मंत्रियों को कंधों पर उठा लिया। हालांकि, किसी अन्य मंत्री को पद की शपथ नहीं दिलाई गई है। बता दें कि प्रदेश में मुख्यमंत्री समेत 12 कैबिनेट मंत्री हो सकते हैं।

राहुल ने सुक्खू की मां को मंच पर बुलाया, प्रियंका ने गले लगाया

शपथग्रहण समारोह में कई दिलचस्प तस्वीरें देखने को मिलीं। सुखविंदर सिंह सुक्खू की मां संसार देवी भी शपथ ग्रहण समारोह में पहुंची थीं। राहुल गांधी को जब पता चला कि वह मंच के सामने बैठी हैं तो राहुल ने उन्हें मंच पर बुलाया। अपने पास बिठाकर उनसे बात की। प्रियंका गांधी ने सुक्खू की मां को गले लगाया और मंच पर बगल में बैठाया। वहीं, सुक्खू की पत्नी ने मंच पर राहुल-प्रियंका से मुलाकात की और प्रतिभा सिंह के पैर छुए। उनसे गले लगकर खुशी जाहिर की। कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह जैसे ही वहां पहुंची तो राहुल और प्रियंका गांधी ने उन्हें गले लगा लिया।

मां से मिलकर भावुक हुए

हिमाचल प्रदेश की कमान संभालने वाले मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शपथग्रहण से पहले मां संसारो देवी की हेलिपैड पर अगवानी की। मां को देखकर सुखविंदर सिंह सुक्खू उनसे गले मिले। मां ने भी प्यार से बेटे के सिर पर हाथ फेरा। दौरान सुक्खू समेत तमाम लोग भावुक नजर आए। मां संसार देवी ने सुक्खू को सेवादार बताते हुए कहा कि उन्हें राज्य के लोगों की सेवा करनी चाहिए। उसके बाद सभी लोग काफिल के साथ शपथ ग्रहण समारोह के लिए रवाना हो गए। शपथ लेने के बाद सुक्खू ने मां का आशीर्वाद लिया और उन्हें गले लगाया।

जनता लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा से लेगी हिसाब : नीतीश

जदयू राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि सभी 40 सीट जीतेंगे

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को पटना स्थित श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के खुला अधिवेशन में भाजपा पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जनता 2024 में भाजपा से हिसाब लेगी। नीतीश ने कहा कि 2020 के चुनाव में जदयू ने भाजपा का पूरा साथ दिया लेकिन उन्होंने साजिश करके हमारे उम्मीदवार को ही हरा दिया।

सीएम ने कहा कि 2005 से लगातार हमारे विधायकों की संख्या भाजपा विधायकों से ज्यादा रही है। चुनाव में खड़े उम्मीदवारों ने खुलकर भाजपा की साजिश की बात कही है। भाजपा वाले कुढ़नी में

जीत पर खुश हैं लेकिन हिमाचल और अन्य जगह पर मिली हार की चर्चा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने अपने नेताओं से कहा कि कहीं कोई गड़बड़ी की सूचना मिले तो शिकायत करें ताकि उसकी जांच पड़ताल करके आगे की कार्रवाई की जा सके।

नीतीश कुमार ने कहा कि सभी एकजुट रहें। अगर एकजुट रहेंगे तो 2024 में ज्यादा से ज्यादा सीट जीतेंगे। इस बार थर्ड फ्रंट नहीं मुख्य फ्रंट बनकर काम करेंगे। अगर हमारी सलाह दूसरे राजनीतिक दल मानेंगे तो वो भी निश्चित रूप से भाजपा को हराने में मदद करेंगे। नहीं तो वो अपने स्तर से कोशिश करते रहें।

मुख्यमंत्री ने सुशील मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी में कुछ पद पाने के लिए मेरे खिलाफ उलटा-पुलटा बोलते रहते हैं। ये लोग संघर्ष करवाकर विभेद पैदा करवाना चाहते हैं। हमारे साथ गठबंधन में थे और हमारी ही पार्टी को तोड़ दिया। इससे गंदा कुछ नहीं हो सकता है। सोच कर देखिए किस तरह की पार्टी है ये। इसलिए तो हम हट गए। सीएम ने कहा कि इनको तो अगला चुनाव में पता चलेगा। हम सभी पार्टियां मिलकर काम करेंगे।

बिहार की सभी सीट लोकसभा 2024 में जीतेंगे

खुला अधिवेशन में जदयू कार्यकताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि लोकसभा की सभी 40 में 40 सीट जीतेंगे। अब 2024 में भाजपा मुक्त भारत बनाएंगे। 303 बहुत नहीं है।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01 , अंक : 12, नई दिल्ली, बुधवार, 14 दिसम्बर , 2022

प्रधानमंत्री मोदी ने छठी वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नागपुर रेलवे स्टेशन से वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह देश की छठी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन है। ट्रेन नागपुर और बिलासपुर को जोड़ेगी।

महाराष्ट्र के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के डिब्बों का निरीक्षण किया और ऑनबोर्ड सुविधाओं का जायजा लिया। मोदी ने वंदे भारत एक्सप्रेस के लोकोमोटिव इंजन के नियंत्रण केंद्र का निरीक्षण किया और नागपुर और अजनी रेलवे स्टेशनों की विकास योजनाओं का भी जायजा लिया। इस ट्रेन के शुरू होने से नागपुर से बिलासपुर के यात्रा का समय 7-8 घंटे से घटकर 5 घंटे 30 मिनट हो जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रेन के साथ अपनी तस्वीरें साझा करते हुए ट्वीट किया, नागपुर और बिलासपुर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस ट्रेन से कनेक्टिविटी काफी बढ़ जाएगी।ह्व इस मौके पर प्रधानमंत्री के साथ महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र

फडणवीस और केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भी नागपुर रेलवे स्टेशन पर मौजूद थे।

ट्रेन की शुरूआत से इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। यात्रा आरामदायक होने के साथ ही कम समय में दूरी तय हो सकेगी। नागपुर से बिलासपुर की यात्रा का समय 5 घंटे 30 मिनट होगा। यह देश में शुरू की जाने वाली छठी वंदे भारत ट्रेन है। यह ट्रेन पहले की तुलना में एक उन्नत संस्करण है, जो बहुत हल्की है और कम अवधि में उच्च गति तक पहुंचने में सक्षम है। वंदे भारत 2.0 अधिक उन्नत और बेहतर सुविधाओं से लैस है, जैसे कि केवल 52 सेकंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति और 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति तक पहुंचना। 430 टन के पिछले संस्करण की तुलना में उन्नत वंदे भारत एक्सप्रेस का वजन 392 टन होगा।

इसमें वाई-फाई कंटेंट ऑन डिमांड सुविधा भी है। प्रत्येक कोच में 32 इंच स्क्रीन हैं जो पिछले संस्करण में 24 इंच की तुलना में यात्रियों की जानकारी प्रदान करती हैं। पहले केवल एक्जीक्यूटिव श्रेणी के यात्रियों को दी जाने वाली साइड रिक्लाइनर सीट की सुविधा अब सभी वर्गों के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। एक्जीक्यूटिव कोच में 180 डिग्री घूमने वाली सीटों की अतिरिक्त विशेषता है।

वंदे भारत एक्सप्रेस के नए डिजाइन में एयर प्यूरिफिकेशन के लिए रूफ-माउंटेड पैकेज यूनिट (आरएमपीयू) में फोटो-कैटेलिटिक अल्ट्रावॉयलेट एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम लगाया गया है। केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआईओ), चंडीगढ़ द्वारा अनुशंसित के अनुसार, इस प्रणाली को आरएमपीयू के दोनों सिरों पर डिजाइन और स्थापित किया गया है ताकि ताजी हवा और वापसी हवा के माध्यम से आने वाली कीटाणुओं, बैक्टीरिया, वायरस आदि से मुक्त हवा को फिल्टर और साफ किया जा सके।

वंदे भारत एक्सप्रेस 2.0 विभिन्न बेहतर और विमान जैसे यात्रा अनुभव प्रदान करता है। यह स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली - कवच सहित उन्नत अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस है।

चक्रवात मंडूस का असर

5 की मौत, हजारों ने ली शेल्टर होम में शरण

चेन्नई, एजेंसी। चक्रवात मंडूस के जमीन से टकराने के बाद तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और 10,000 लोग आश्रय गृहों में हैं। तमिलनाडु के राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बताया कि, चक्रवात मंडूस के बाद हुई बारिश में करीब 300 घर क्षतिग्रस्त हो गए और चेन्नई और इसके उपनगरों में 169 आश्रय स्थल बनाए गए हैं।

तमिलनाडु के कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और विल्लुपुरम जिलों में घोषित रेड अलर्ट रविवार को भी जारी रहा। तमिलनाडु सरकार चक्रवात से हुए भारी नुकसान को देखते हुए सोमवार को भी कॉलेजों सहित स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए अवकाश घोषित कर सकती है। चक्रवात के दौरान 500 से अधिक पेड़ उखड़ गए और ग्रेटर चेन्नई निगम के अधिकारियों ने रविवार सुबह तक उन्हें हटा दिया।

पेंथियन रोड, चेन्नई पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम आउटलेट पर एक विशाल बरगद का पेड़ गिरने के बाद क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि कर्मचारी सुरक्षित हैं। उनके जाने के बाद बरगद का पेड़ गिरा।

चक्रवात के दौरान उखड़े पेड़ों को हटाने में ग्रेटर चेन्नई पुलिस भी शामिल है। इस बीच, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मीडियाकर्मियों से कहा कि, चक्रवात मंडूस के लिए उचित तैयारी और योजना के कारण संबंधित विभाग हरकत में आ गए हैं और इस तरह नुकसान कम हुआ है।

दिल्ली की 250 किलोमीटर लंबी सड़कों का होगा सौंदर्यीकरण

16 सड़कों पर सैंपल डिजाइन के बाद पहले चरण में सौंदर्यीकरण का बजट तैयार

राजधानी की सड़कों को यूरोपियन तर्ज पर विकसित करने के लिए 16 सड़कों का सैंपल डिजाइन तैयार होने के बाद सरकार ने 250 किलोमीटर सड़क के सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव तैयार कर लिया है। यह वो सड़कें हैं जिनकी चौड़ाई 45 मीटर या उससे ज्यादा है। लोक निर्माण विभाग ने सड़कों के सौंदर्यीकरण को लेकर प्रस्ताव तैयार करके कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

विभाग की कोशिश है कि इस माह के अंत तक सड़कों के सौंदर्यीकरण योजना को लेकर निविदा जारी कर दी जाए। दिल्ली सरकार कुल 540 किलोमीटर सड़कों को यूरोपियन तर्ज पर विकसित करना चाहती थी। डिजाइन पर अंतिम फैसला लेने के लिए 16 सैंपल सड़कों को तैयार किया गया। यह सड़कें रिंग रोड पर मायापुरी से मोती बाग, मूलचंद से आश्रम तक, ब्रिटानिया चौक से आउटर रिंग रोड, वजीराबाद गांव से रिंग रोड तक, नेल्सन मंडेला मार्ग पर टीकरी बॉर्डर से टीकरी मेट्रो स्टेशन तक, अरबिंदो मार्ग पर, मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन रोड समेत अन्य को तैयार किया गया है। दिल्ली में 16 जगहों पर इन सैंपल डिजाइन को तैयार करने में कुल 200 करोड़ रुपये के करीब खर्च आया है।

सैंपल डिजाइन के बाद सरकार ने जिन 250 किलोमीटर लंबी सड़क के सौंदर्यीकरण की योजना बनाई है, उसमें करीब 4200 करोड़ रुपये खर्च आएगा। सड़कों के सौंदर्यीकरण के साथ उसके अगले 10 साल तक रखरखाव की जिम्मेदारी भी निजी एजेंसी को दी जाएगी। उस पर करीब अतिरिक्त 4000 करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना है। कैबिनेट से मंजूरी के बाद इस पर आगे काम बढ़ाया जाएगा। इन 250 किलोमीटर सड़कों के सौंदर्यीकरण के बाद जो परिणाम निकल कर आएंगे। उसके बाद 540 किलोमीटर से बची हुई 30 से 45 मीटर चौड़ी 290 किलोमीटर लंबी सड़कों के सौंदर्यीकरण की योजना आगे बढ़ाई जाएगी।

सैंपल सड़कों की देखभाल निजी एजेंसी करेगी : लोक निर्माण विभाग नई सड़कों के सौंदर्यीकरण के साथ सैंपल डिजाइन के रूप में तैयार सड़कों के देखभाल की जिम्मेदारी भी निजी एजेंसी को देगी। वह सड़कों की मरम्मत, पेड़ पौधे का भी ख्याल रखेगी। निजी एजेंसी को काम देने के लिए निविदा भी जारी कर दी गई है। सरकार की कोशिश है कि निर्माण करने वाली एजेंसी ही उसका ख्याल रखे। उसमें सड़कों के रखरखाव, मरम्मत से लेकर उसकी सफाई की जिम्मेदारी भी होगी।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01 , अंक : 11, नई दिल्ली, बुधवार, 07 दिसम्बर , 2022

सीयूईटी की तैयारी को लेकर शिक्षा निदेशालय ने कसी कमर

परीक्षा की तैयारी के लिए सूक्ष्म स्तर पर मॉक सेशन होंगे

उच्च शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों की विश्वविद्यालयों में दाखिला की राह को आसान बनाया जाएगा। इसके लिए छात्रों को संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) की तैयारी कराने को लेकर शिक्षा निदेशालय ने अभी से कमर कस ली है, ताकि छात्र उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिला के लिए किसी प्रकार से न चुके।

सर्कुलर के अनुसार सीयूईटी एक नई शुरूआत है। सीयूईटी दाखिला प्रक्रिया की कम जानकारी छात्रों और हितधारिकों की प्रमुख चिंता है। अगर उसको समय पर दुरुस्त नहीं किया जाता है, तो उससे छात्रों के बीच में तनाव का स्तर बढ़ता है। पिछले वर्ष भी शिक्षा निदेशालय की सभी नोडल शाखाओं की तरफ से उचित प्रयास किए गए थे। उनमें से ईवीजीबी भी एक है। जो अगले सत्र के लिए इसी तरह के प्रयास के लिए तैयार है।

परीक्षा को लेकर नोडल प्रभारी नामित

सीयूईटी की पूरी दाखिला प्रक्रिया के बारे में सभी हितधारकों को बताने की जरूरत है। खासतौर पर प्रक्रिया के दौरान आने वाले तकनीकी समस्याओं को कैसे दूर किया जाए। बड़े स्तर पर डीयू सहित देश के केंद्रीय विश्यविद्यालयों में दाखिला के लिए 12वीं कक्षा के छात्र सीयूईटी के लिए परीक्षा देंगे। इस प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए कक्षा 11वीं के दाखिला प्रभारी को सीयूईटी नोडल प्रभारी नामित किया है।

मॉक सेशन से तैयार होंगे छात्र

स्कूल प्रमुख की देखरेख में सीयूईटी सत्र की तैयारी के लिए अभ्यास/मॉक सेशन सूक्ष्म स्तर पर होंगे, जिसकी व्यवस्था प्रभारी करेंगे। कोई भी छात्र पंजीकरण और सीयूईटी के लिए बुनियादी जानकारी से वंचित न रहे। इस संबंध में सभी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कक्षा 11वीं के दाखिला प्रभारी और नोडल अधिकारियों को लेकर 12 दिसंबर को त्यागराज स्टेडियम में एक बैठक बुलाई गई है।

पांच हजार छात्रों को मिला कक्षाओं का लाभ

जिसमें सीयूईटी के कठिनाई के स्तर और तकनीकी पहलुओं पर चर्चा होगी। इस कार्यक्रम में सभी जिलों और क्षेत्रीय उप शिक्षा निदेशकों को भी उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए है। बता दें कि पिछले वर्ष भी कई स्कूलों में छात्रों को सीयूईटी की तैयारी कराने के लिए निशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराई थी। पांच हजार छात्रों के लिए 20 दिनों में सीयूईटी की तैयारी के लिए कक्षाओं का आयोजन किया गया था। सीयूईटी की तैयारी के लिए 106 केंद्र शुरू किए गए थे।

भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता का इस्तीफा मंजूर, वीरेन्द्र सचदेवा कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव में पार्टी की हार के कुछ दिनों बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। अगले अध्यक्ष की नियुक्ति तक वीरेन्द्र सचदेवा कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे। वह दिल्ली भाजपा के उपाध्यक्ष हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से रविवार को जारी एक संगठनात्मक नियुक्ति आदेश के अनुसार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के निदेर्शानुसार आदेश गुप्ता का दिल्ली भाजपा अध्यक्ष पद से इस्तीफा स्वीकार किया जाता है। दिल्ली इकाई के उपाध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा को अगले आदेश तक राज्य इकाई का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है। यह नियुक्ति तत्तकाल प्रभाव से लागू होगी।

आदेश गुप्ता ने कहा कि उन्होंने कल ही अपना इस्तीफा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को दे दिया था। एमसीडी चुनाव में हार की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने अपने पद से त्यागपत्र दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मेरा इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया है और नया अध्यक्ष चुने जाने तक पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को दिल्ली भाजपा

का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि एमसीडी के 250 वार्डों के लिए 4 दिसंबर को वोट डाले गये थे। सात दिसंबर को एमसीडी चुनाव के नतीजे घोषित किये गये। इसमें आम आदमी पार्टी (आप) ने 134 वार्डों पर जीत दर्ज की जबकि भाजपा को 104 सीटें ही मिलीं थीं। इसके बाद से ही आदेश गुप्ता के इस्तीफे के कयास लगाए जा रहे थे। आदेश गुप्ता खुद अपने ही विधानसभा क्षेत्र पटेल नगर में आने वाले 4 वार्ड में से एक भी वार्ड को नहीं बचा सके और हार गए। यहां तक कि जिस वार्ड से वह खुद पार्षद रहे और 2017 में भाजपा को बड़ी जीत मिली थी वह वार्ड भी इस बार भाजपा हार गई।

वहीं, हार के बाद दिल्ली भाजपा के प्रदेश इकाई में अंदरूनी गुटबाजी भी तेज हो गई थी। सूत्रों की मानें तो आने वाले दिनों में दिल्ली भाजपा की इकाई के अंदर कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

शार्टकट की राजनीती पर लगना चाहिए विराम : गुरमीत सूरा

भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश सिक्ख प्रकोष्ठ के सह सयोंजक गुरमीत सिंह सूरा नें महाराष्ट्र में प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के उस वक्तव्य का स्वागत किया है जिसमे श्री मोदी नें आह्वान किया शार्टकट की राजनीती मुल्क में बंद होनी चाहिए। प्रधानमन्त्री श्री मोदी नें सभी करदाताओं और खास तौर से युवा वर्ग से आह्वान किया जो लोग अपने निजी स्वार्थों के तहत इस तरह की राजनीती करते हैं उनका बहिष्कार करें। गुरमीत सिंह सूरा नें कहा मुफ्त-मुफ्त की राजनीती मुल्क को बर्बाद कर देती है। उन्होंने कहा सरकारों के पास कमाई के सीमित साधन होने के बावजूद कुछ राजनैतिक दल सत्ता प्राप्ति के लिए ओछी चाल चलते हैं जिससे उन्हें सत्ता तो मिल जाती है लेकिन राज्य के आर्थिक हालत बद से बदतर हो जाते हैं। और लम्बे समय तक ऐसा चलने से विकास की गति थम जाती हैं क्योंकि जब कमाई लुटाई में चली जाती है तो विकास कार्यों के लिए बजट ही ही नहीं बचता। हालत यहाँ तक हो जाती है सरकार के पास अपने कर्मचारियों को देने के लिए वेतन तक के लाले पड़ जाते है। गुरमीत सिंह सूरा नें बताया उन्होंने सिक्ख प्रकोष्ठ की टीम के साथ पूर्वी दिल्ली के गीता कालोनी,कृष्णा नगर,अनारकली प्रीत विहार जगत पुरी वार्ड सहित दिल्ली के कई वार्डों में निगम चुनावो के दौरान तूफानी प्रचार किया। और भाजपा की जीत सुनश्चित की। उन्होंने बताया प्रितपाल सिंह आनन्द, सिमरन दीप सिंह, प्रभदयाल सिंह लम्भा, बलजीत सिंह पोपली, एच.एस.भाटिया, जविन्द्र सिंह, अमनदीप सिंह, हरनाम सिंह, डॉ.चरनजीत सिंह, मनजीत सिंह, सुरेन्द्र सिंह, कंवलदीप सिंह रौनक सिंह सहित अन्य कई प्रमुख लोग इस कार्य में उनके साथ रहे।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
8
वर्ष : 01 , अंक : 11, नई दिल्ली, बुधवार, 07 दिसम्बर , 2022

शिवांगी जोशी को हुआ प्यार

इस टीवी एक्टर के साथ है रिलेशनशिप में! एक्ट्रेस बोली- मुझे नहीं पता कि...

सीरियल सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम एक्ट्रेस शिवांगी जोशी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। हाल ही में एक्ट्रेस ने नया फोटोशूट फैंस के साथ शेयर किया था। अब उनकी डेटिंग की खबरें इंटरनेट पर चल रही है। ऐसी खबरें है कि शिवांगी, 'बालिका वधू 2' एक्टेस रणदीप राय को डेट कर रही है। 'बालिका वधू 2' में एक्ट्रेस ने आनंदी का रोल निभाया था।

शिवांगी जोशी इसे कर रही डेट

ये रिश्ता क्या कहलाता है' की नायरा उर्फ शिवांगी जोशी के लव लाइफ को लेकर फैंस हमेशा जानना चाहते है। पहले उनका नाम मोहसिन खान के साथ जुड़ रहा था। अब ईटाइम्स की एक रिपोर्ट की मानें तो 'बालिका वधू 2' एक्टर रणदीप राय को डेट कर रही है। सूत्र की मानें तो बालिका वधू 2 की शूटिंग के दौरान शिवांगी और रणदीप के बीच दोस्ती वाला रिश्ता था। शो के बंद होने के बाद प्यार को रास्ता मिल गया। उन्हें डेटिंग शुरू किए हुए लगभग तीन महीने हो चुके है।

शिवांगी जोशी ने बताया रिश्ते का सच

सूत्र ने ये भी कहा कि दोनों का रिश्ता और मजबूत होता जा रहा है। उन्हें कई मौकों पर एक-दूसरे की बिल्डिंग के बाहर स्पॉट किया गया है और समय मिलने पर साथ में जिम भी जाते है। बता दें कि बालिका वधू 2 में दोनों ने साथ में काम किया था। इस बारे में जब शिवांगी जोशी से पूछा गया तो उन्होंने कहा, नहीं, यह सच नहीं है। मुझे नहीं पता कि यह कहां से आ रहा है।

रणदीप राय ने कही ये बात

वहीं, इस मामले में जब रणदीप राय ने कहा कि, शिवांगी और मैं सिर्फ दोस्त हैं। मेरे बहुत कम दोस्त हैं और वह उनमें से एक है। बता दें कि शिवांगी और एक्टर मोहसिन खान के लिंक-अप की खबरें अक्सर आती रहती थी।

महेश बाबू के साथ पूजा हेगड़े को मिली बड़ी फिल्म

SSMB 28 की शूटिंग के लिए पूरी तरह से तैयार हैं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े अब महेश बाबू के साथ बहुप्रतीक्षित एसएसएमबी 28 में नजर आएंगी। महेश बाबू के साथ ये फिल्म उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म हैं। इससे पहले पूजा हेगड़े को फिल्म राधे श्याम में देखा गया था। बाहुबली प्रभास के साथ ये उनकी पहली फिल्म थी, जिससे काफी उम्मीद थी लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर सकी। फिल्म ने साउथ के सिनेमा में कमाई की लेकिन हिंदी भाषी लोग ज्यादा फिल्म से कनेक्ट नहीं कर सके। जो उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। उन पूजा की सारी उम्मीदें एसएसएमबी 28 से हैं। एसएसएमबी 28 ने प्रशंसकों के बीच काफी चर्चा पैदा कर दी है क्योंकि महेश बाबू और पूजा हेगड़े ने पहले महर्षि के लिए टीम बनाई थी। पूजा अगले सप्ताह एसएसएमबी 28 की शूटिंग में शामिल होने के लिए तैयार हैं।

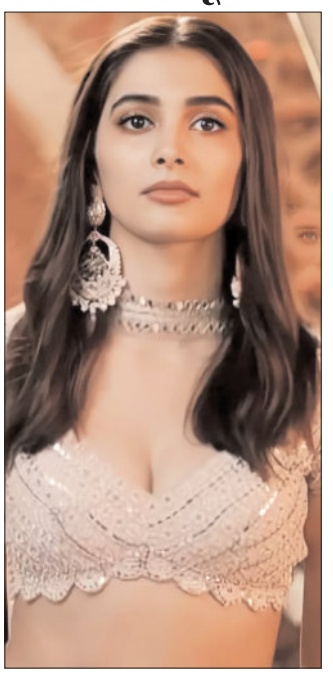

एसएसएमबी 28 एक एक्शन फिल्म है, जिसका निर्देशन त्रिविक्रम श्रीनिवास कर रहे हैं। रस्ट्ड 28 को त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित एक एक्शनर के रूप में प्रस्तुत किया गया है। महेश बाबू और गुरुजी ने पहली बार एक्शन ड्रामा अथाडू (2005) के लिए हाथ मिलाया, जो काफी लोकप्रिय हुआ। एक्शन में त्रिशा, सोनू सूद, नासर और राहुल देव ने अभिनय किया। अभिनेता और त्रिविक्रम बाद में खलेजा (2010) के लिए फिर से मिले, जो अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। यह देखा जाना बाकी है कि क्या एसएसएमबी 28 इस संयोजन के प्रशंसकों के लिए एक अच्छा अनुभव साबित होता है।

इसमें पूजा हेगड़े प्रमुख महिला के रूप में हैं और महर्षि (2019) के बाद महेश बाबू के साथ उनकी दूसरी फिल्म है। एसएसएमबी 28 में एक्शन से भरपूर दूसरी छमाही होने की उम्मीद है। दूसरी ओर, इंटरवल से पहले के हिस्सों में रोमांटिक सीक्वेंस होने की संभावना है। एसएसएमबी 2023 में सिनेमाघरों में खुलने के लिए तैयार है।

यासीन बोनो: वो गोलकीपर जो बन गया है मोरक्को का हीरो

मोरक्को की इस कामयाबी में जो सितारा सबसे ज्यादा चमक बिखेर रहा है वो हैं मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनो जिन्हें फैन्स 'बोनो' पुकारते हैं।

टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद से उन्हें लेकर फैन्स की दीवानगी चरम पर है। उन्हें हीरो जैसा सम्मान मिल रहा है।

मोरक्को ने वर्ल्ड कप में अभी तक पांच मैच खेले हैं और यह टीम अजेय रही है।

वर्ल्ड कप में मोरक्को का पहला मुकाबला क्रोएशिया से था। इसमें कोई टीम गोल नहीं कर सकी थी और मुकाबला बराबरी पर छूटा था।

इसके बाद मोरक्को ने बेल्जियम को 2-0, कनाडा को 2-1 और स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में 3-0 से हराया।

क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल को मोरक्को ने 1-0 से हराया।

कनाडा के खिलाफ मुकाबले में मोरक्को ने अपने खिलाफ ही गोल कर दिया था। अगर इसे छोड़ दिया जाए तो अभी तक वर्ल्ड कप में मोरक्को ने एक भी गोल नहीं खाया है।

यही वजह है कि मोरक्को की कामयाबी का श्रेय गोलकीपर बोनो को दिया जा रहा है। पुर्तगाल पर जीत के बाद 31 साल के गोलकीपर बोनो ने कहा, हम यहां मानसकिता बदलने आए हैं और हीनता के भाव से बाहर निकलने आए हैं। मोरक्को दुनिया की किसी भी टीम का सामना करने के लिए तैयार है, सेमीफाइनल के आगे भी और किसी भी मुकाबले में।

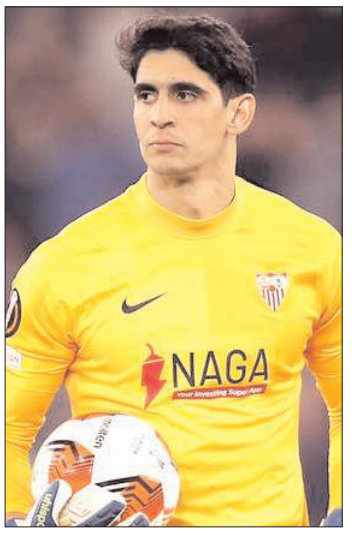

बोनो का प्रदर्शन

स्पेन के खिलाफ मुकाबले में बोनो ने पेनल्टी शूटआउट में एक भी गोल नहीं होने दिया। इससे पहले 130 मिनट चले मुकाबले में भी उन्होंने स्पेन की तरफ से गेंद को गोलपोस्ट छूने भी नहीं दिया। इस मुकाबले के बाद स्पेन की टीम वर्ल्ड कप से बाहर हो गई और ये मुकाबला मोरक्को के फुटबॉल इतिहास में दर्ज हो गया। बोनो ने कहा, हमने इस मानसिकता को बदला है और हमारे बाद खिलाड़ियों की जो पीढ़ी आएगी उसे पता होगा कि मोरक्को के खिलाड़ी चमत्कार कर सकते हैं।

गोलकीपर बोनो ने अपने करियर का अहम हिस्सा स्पेन में बिताया है और वो 'सेविले' के गोलकीपर रहे हैं।

बोनो को साल 2022 में फ्रांस की प्रतिष्ठित याशीन ट्रॉफी से सम्मानित किया गया था। ये पुरस्कार दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर को दिया जाता है। ये अवॉर्ड मिलने के बाद उन्हें दुनिया का नौवां सबसे बेहतरीन गोलकीपर भी माना गया था।

हिन्दी का राष्ट्रीय राजनैतिक साप्ताहिक
राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
प्रचार है तो व्यापार है,
अपने व्यवसाय, राजनीति से जुड़ी
वार /त्यौहार/ जयंती/ पुण्यतिथि/ चुनावी अभियान का विज्ञापन
अब देश के लोकप्रिय हिंदी अखबार
एवं डिजिटल न्यूज़ पोर्टल
'राजनीतिक तरकस'
में दें।

जुड़े अपनों के साथ ऑनलाइन बुकिंग की अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
Email:tarkasnews@gmail.com Mob:9990170069
Website: www.neetiktarkas.in